गणेश पूजा के अवसर पर
छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल
की जनहित में अपील

1. मूर्तियों पर प्राकृतिक रंगों का ही इस्तेमाल किया जाये। खतरनाक रसायनों का उपयोग न करें।

2. विसर्जन उपरांत बची हुई सभी सामग्री सुरक्षित एकत्रित करें, इसे पानी में न बहायें और न ही विसर्जन स्थल पर जलायें।

3. विसर्जन के लिये पृथक से की गई व्यवस्था की जानकारी जिला प्रशासन से प्राप्त करें एवं निर्धारित स्थल पर ही मूर्तियों का विसर्जन किया जावे।

मूर्तियों के प्राकृतिक निर्माण एवं इसके सुरक्षित विसर्जन से हम अपने प्राकृतिक जल स्त्रोतों को जल प्रदूषण से बचाकर न केवल जलीय जीव-जन्तुओं की रक्षा कर सकते हैं अपितु धरती मां की भी सेवा कर सकते हैं।

छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल
द्वारा जनहित में प्रकाशित व प्रसारित